सरकारी प्रस्ताव

प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर प्रस्ताव

1. कल प्रथम पातशाह श्री गुरु नानक देव जी का 555वां प्रकाश पर्व है। यह सदन इस अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता है। साथ ही, इस प्रस्ताव के माध्यम से जन-जन को उनके प्रकाश पर्व की लख-लख बधाई देता है।

2. इससे पहले, वर्ष 2019 में श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर उनकी 'एक पिता एकस के हम बारक' की शिक्षा पर चलते हुए हरियाणा और पंजाब विधानसभा का संयुक्त सत्र आयोजित किया गया था।

3. माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर कमलों से 9 नवम्बर, 2019 को करतारपुर साहिब कॉरिडोर का शुभारंभ भी किया गया था। इस पहल को यह गरिमामयी सदन श्रद्धापूर्वक याद करता है।

4. यह सदन मानता है कि यह कॉरिडोर श्री गुरु नानक देव जी की हमारे प्रति अपार कृपा के कारण ही बन पाया है। उन्होंने 22 देशों में जाकर संदेश दिया था कि धरती और समाज पर आदमी द्वारा खींची गई लकीरों से धर्म बहुत ऊपर है।

5. हरियाणा सौभाग्यशाली है कि यहां 16वीं शताब्दी के आरंभ में श्री गुरु नानक देव जी ने अपनी चरण धूलि से इस धरा को पावन किया। उन्होंने अपनी विभिन्न उदासियों के दौरान हरियाणा पधार कर यहां के जन-समुदाय को धर्म की सच्ची राह दिखाई। ईस्वी सन् 1508 में अपनी पहली उदासी में वे सुल्तानपुर होते हुए सिरसा पहुंचे और फिर कराह, पिहोवा, कुरुक्षेत्र और कपालमोचन पहुंचे।

6. अपनी दूसरी उदासी के दौरान श्री गुरु नानक देव जी करनाल और पानीपत और तीसरी उदासी में पिंजौर, अम्बाला और शाहबाद पधारे थे। इन सब स्थानों पर पहली पातशाही के गुरुघर स्थापित हैं, जो सदियों से श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रकाश फैला रहे हैं। ये स्थान अब पावन तीर्थ बन गए हैं और वर्ष भर संगतें वहां जाकर अपने जीवन को संवार रही हैं।

7. आध्यात्मिक बोध, सांसारिक समृद्धि और सामाजिक समरसता के लिए श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को सदा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने सदियों पहले मानवता को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' का पाठ पढ़ाया।

8. मैं आज इस महान सदन को बताना चाहता हूं कि गुरूग्राम में लगभग 1000 करोड़ रुपये की लागत से

700 बेड के सरकारी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। हमने निर्णय लिया है कि इस अस्पताल का नामकरण श्री गुरु नानक देव जी के नाम पर किया जाएगा।

9. मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि गुरुद्वारा श्री चिल्ला साहिब, सिरसा की बड़ी ऐतिहासिक महत्ता है। यहां पर ही गुरु नानक देव जी के पवित्र चरण पड़े थे और उन्होंने यहां रहकर चालीस दिनों तक तपस्या की थी। सरकार ने गत जुलाई माह में गुरुद्वारा श्री चिल्ला साहिब, सिरसा को 77 कनाल 7 मरला भूमि उपहार स्वरूप निःशुल्क हस्तांतरित की है।

10. हमें सिख समाज की ओर से यह मांग आ रही है कि हरियाणा के किसी भी विश्वविद्यालय में गुरु नानक देव जी के नाम से एक चेयर की स्थापना की जाये। हमनें उच्च शिक्षा विभाग की 18 जनवरी, 2024 की नीति अनुसार ऐसे प्रस्ताव को स्वीकृति देने का निर्णय किया है।

11. यह माननीय सदन विश्वास रखता है कि श्री गुरु साहिबान के आर्शीवाद से हरियाणा अपने वैभव को बढ़ाता रहेगा और प्रगति मार्ग पर निरंतर अग्रसर होता रहेगा। उन्होंने सद्भाव, सहनशीलता, भाईचारे और आपसी प्रेम का जो रास्ता दिखलाया है, हम उसे अपने जीवन में उतारें, यही मानव कल्याण का मूल मंत्र है और यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है।

12. इस गरिमामयी सदन के सम्मुख हरियाणा के लोगों की श्रद्धा से ओतप्रोत इस प्रकाश पर्व के बधाई प्रस्ताव को पारित करने का अनुरोध करता हूं।

वाहे गुरु जी का खालसा

वाहे गुरु जी की फतेह ।